# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 18 | अंक-3 | मई-I, 2017 | (पाक्षिक) | माउण्ट आबू | 8.00


# ‘एक परमात्मा, एक विश्व परिवार’ देश का चिंतन

-माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

▶ ब्रह्माकुमारी संस्था के 80 वर्ष पूर्ण होने पर दी शुभकामनाएं

▶ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया सम्बोधित ▶ 80 देशों से समारोह में शरीक हुए प्रतिनिधि ▶ रशियन कलाकारों ने बांधा समां

ब्रह्माकुमारी संस्थान की 80वीं सालगिरह की संध्या पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा शांतिवन के डायमण्ड हॉल में सभा को शुभकामना संदेश देते हुए।

**शांतिवन।** विश्व एक परिवार है। हम सब एक पिता की संतान हैं, यह भारत का चिंतन रहा है। हमारे देश की खासियत है कि हम अपने विचारों को किसी पर थोपते नहीं हैं। यही देश है जिसने विश्व को डंके की चोट पर कहा है कि ईश्वर एक है। इतना विशाल, व्यापक चिंतन और विचार इसी धरती पर पैदा हुआ। शास्त्रों ने बताया कि सत्य एक है, सिर्फ अलग-अलग लोग उसे अलग-अलग रूप में कहते हैं।

उक्त उद्गार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के 80 वर्ष पूर्ण होने पर आबू रोड के शांतिवन परिसर में इंटरनरेशनल कॉन्फ्रेंस कम कल्चरल फेस्टिवल **‘‘विश्व परिवर्तन के लिए परमात्म ज्ञान’’ विषय पर** आयोजित किया गया। मोदी जी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था आज भी उसी विचार, उतनी ही कर्मठता, एकरूपता के साथ विश्वभर में अपना संदेश दे रही है, जिस संकल्प से 80 वर्ष पूर्व दादा लेखराज ने इसकी नींव रखी थी। 80 साल का मतलब सहस्त्र चंद्रदर्शन का पर्व होता है। यह वर्ष किसी भी संस्था, व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सभी ने टॉर्च जलाकर शांति की रोशनी फैलाई, जिसकी मोदी जी ने भी सराहना की।

## ▶ 30 हज़ार लोगों का खाना सोलर एनर्जी से

आबू जैसे स्थान पर तीन मेगावॉट की सोलर एनर्जी का प्रयास पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत ही प्रेरक है। यहाँ एक साथ 30 हज़ार लोगों का भोजन सोलर एनर्जी से बनाया जाता है। यह बहुत बड़ा बदलाव लाने का प्रयास है। यहाँ सिर्फ आध्यात्मिक बातें नहीं, बल्कि गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही सभी संस्था के भाई-बहनों से आह्वान किया कि आप सभी भी अपने घरों में एल.ई.डी. लाइट लगाकर बिजली बचाने में अपना योगदान दें।

## ▶ ऊर्जा बचाने का लें संकल्प

संस्था बहुत बड़ा बदलाव लाने का प्रयास कर रही है। यहाँ सिर्फ आध्यात्मिक बातें नहीं, बल्कि गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। 2022 तक ब्रह्माकुमार व कुमारियों के माध्यम से ऊर्जा बचाने का संकल्प लें। सभी अपने मोबाइल फोन पर भीम एप डाउनलोड कर नकद से डिजिटल के लिए प्रयास करें।

## ▶ बालिकाओं को शिक्षित करें

प्रधानमंत्री ने कहा कि 9वीं से 11वीं तक के बच्चे पोषण के संबंध में शिक्षित होंगे तो टीचर पर उनका गहरा प्रभाव होगा। 2022 एक संकल्प लेने के लिए आपको निमंत्रित करता हूँ। ब्रह्माकुमारी संस्था का इसमें बहुत बड़ा योगदान है। मैं आग्रह करूंगा कि आप भी सक्रियता से कार्य करें तो बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव हमारे सामने होगा।

## ▶ ऑनलाइन कोर्स शुरु करने का आह्वान किया

प्रधानमंत्री मोदी ने संस्था के पदाधिकारियों से ऑनलाइन मूल्य एवं आध्यात्मिक कोर्स शुरु करने का आह्वान किया। इसके माध्यम से देशभर में ऑनलाइन सर्टिफिकेट, डिग्री कोर्स कराकर एग्जाम कराने के लिए कहा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इसमें भारत की सभी युनिवर्सिटी का पूरा सहयोग रहेगा।

संस्था की प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी।

## अपना बनाके बाबा ने मुस्कुराना सिखा दिया

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि हर एक को मैं कौन, मेरा कौन जानना चाहिए। 80 साल से मैं बाबा की सेवा में हूं। वही मेरा माता-पिता है, उसके सिवाए मेरा दुनिया में कोई नहीं है। उसने मुझे ऐसी पालना भी दी है और सेवा भी कराई कि वही मेरा दिला राम है। धीरज है तो शांति है, प्रेम है, कोई भी बात मुश्किल नहीं है। अपना बना के बाबा ने मुझे मुस्कुराना सिखा दिया है।

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर** ने भारत के सभी स्कूल-कॉलेजों में मूल्य एवं आध्यात्मिक शिक्षा को भी संलग्न करने का निवेदन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को आध्यात्मिक शिक्षा दी जाए तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

**दादी जानकी ने प्रधानमंत्री मोदी को माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया** - उन्होंने कहा नरेन्द्र भाई पूरे विश्व को प्रेम, खुशी, शक्ति दे रहें हैं इसकी बधाइयां।

## ▶ परमात्मा ने मातृशक्ति को बनाया आधार

राज. पत्रिका समूह के प्रधान सम्पादक गुलाब कोठारी, ‘मातृशक्ति की बदौलत यह संगठन दुनियाभर में फैल गया’।